Q3) क्षेत्रवाद ने भारत की राजनीति को कैसे प्रभावित किया है, बताइए

Ans (i) क्षेत्रवादी भावनाओं के कारण देश में विखंडनकारी ताकतें जोर पकड़ रही हैं और हर दिन देश से अलग होने की एक नई माँग विवाद का विषय बनकर आती है

(ii) क्षेत्रवाद की भावनाओं के कारण विभिन्न राज्यों में आपसी सीमा विवाद सिर उठा रहे हैं

(iii) क्षेत्रवाद के कारण ही हर चुनाव में छोटे-छोटे और संकीर्ण आधारों पर बने राजनीतिक दल जन्म ले रहे हैं जिन्होंने क्षेत्रवादी माँगों के साथ केन्द्र में अस्थिरता भी पैदा की है।

(iv) क्षेत्रवाद के कारण ही केन्द्र और राज्यों से आपसी विवाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं जिनके कारण भारत की संघात्मक प्रणाली एक ~~मजाक~~ ~~बनकर~~ मजाक बनकर रह गई है

Q4) ~~क्षेत्र~~ क्षेत्रीय राजनीति के कोई चार दुष्परिणाम लिखिए।

(i) क्षेत्रीयवाद की प्रबल भावनाओं ने देश के विभिन्न राज्यों के बीच गंभीर सीमा विवाद खड़े कर दिए हैं जैसे हरियाणा पंजाब के बीच चंडीगढ़ एवं इससे जुड़े हुए प्रश्न

(ii) क्षेत्रीयवाद के कारण जम्मू-कश्मीर पंजाब और पूर्व भारत के छोटे-छोटे राज्यों और तमिलनाडु आदि में भारतीय संघ से अलग होने की माँग उठती रहती है

(iii) चुनाव के उम्मीदवार का चयन क्षेत्रीयता के आधार पर किया जाता है और चुनाव अभियान में क्षेत्रीयता की भावनाएं खूब उभारी जाती हैं

(iv) प्रधानमंत्री, मंत्रीमंडल और मंत्रिपरिषद का गठन करते समय क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का बड़ी जागरूकता से पालन करते हैं इसके कारण प्रशासनिक और अन्य तत्व महत्वहीन बन जाते हैं